राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

April 2023

हिन्दुस्तान, शनिवार, 01 अप्रैल 2023, Page No 06.

एनआईटी श्रीनगर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालो छात्रों को किया गया सम्मानित।

निधि, रितेश और रोहित को किया सम्मानित

श्रीनगर। एनआईटी श्रीनगर परिसर के सभागार में बुधवार को शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ बड़ोदा श्रीनगर की शाखा प्रबंधक नेहा शाह ने बेस्ट इन एकेडेमिक्स, बेस्ट इन स्पोर्ट्स और बेस्ट ऑलराउंडर अवार्ड के लिए क्रमश: निधि जोशी, रितेश कुमार एवं रोहित सिंह नेगी को चेक दिए।

निधि, रितेश व रोहित रहे बेस्ट ऑलराउंडर

■ श्रीनगर/एसएनबी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्तराखंड के श्रीनगर परिसर के सभागार मे बुधवार को शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस मौके पर कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ बड़ोदा, श्रीनगर की शाखा प्रबंधक नेहा शाह ने बेस्ट इन एकेडेमिक्स, बेस्ट इन स्पोर्ट्स और बेस्ट ऑलराउंडर अवार्ड के लिए क्रमशः निधि जोशी, रितेश कुमार एवं रोहित सिंह नेगी को इकत्तीस हजार रूपये का चेक प्रदान किया गया। इसी मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो.अवस्थी ने एमएनआईटी, जयपुर में आयोजित मालवीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में टेबल टेनिस में विजेता रही एनआईटी, उत्तराखंड के छात्राओं एवं उपविजेता छात्रों की टीम को सम्मानित किया। इसके अलावा पॉवरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतने वाले छात्र अमित कुमार को पदक देकर सम्मानित किया। इसके बाद प्रो. अवस्थी ने पॉलिटेक्निक परिसर में छात्रों की सुविधा के लिए बनाये गए ओपन जिम, इंडोर कबड्डी के लिए मैट और टेबल टेनिस उपकरणों का भी उद्घाटन किया।

■ शिक्षा, खेल व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया सम्मानित

इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस संस्था को दिया गया जनादेश न केवल सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर तैयार करना बल्कि बहुआयामी ज्ञान और कौशल के साथ-साथ बहुआयामी व्यक्तित्व से परिपूर्ण सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन तैयार करना है। इसके लिए संस्थान द्वारा खेल सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि उनका मानना है कि खेल केवल शारीरिक और क्रियात्मक कौशलों के विकास का ही माध्यम नहीं है अपितु यह संज्ञानात्मक और भावात्मक विकास के साथ कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता जैसे गुणों को भी विकसित और पोषित करने में सहायक है। इस मौके पर प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा.कुलदीप सिंह, डा. राकेश मिश्रा मौजूद थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित

31 हजार का चेक दिया
एनआईटी में हुआ आयोजन

श्रीनगर। एनआईटी परिसर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी व बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा प्रबंधक नेहा शाह ने शिक्षा के क्षेत्र में निधि जोशी, खेल में रितेश कुमार व अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रोहित सिंह नेगी को 31 हजार की धनराशि का चेक भेंटकर सम्मानित किया।

प्रो. अवस्थी ने एमएनआईटी जयपुर में आयोजित मालवीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में टेबल टेनिस विजेता एनआईटी उत्तराखंड के छात्राओं एवं उपविजेता छात्रों की टीम को भी सम्मानित किया। इसके अलावा पॉवर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले अमित कुमार को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद उन्होंने पॉलीटेक्निक परिसर में ओपन जिम, इंडोर कबड्डी के लिए मैट और टेबल टेनिस उपकरणों का उद्घाटन किया। संवाद

दैनिक जागरण, शनिवार, 01 अप्रैल 2023, Page No 06.

मेधावी निधि, रितेश, रोहित 21-21 हजार रुपये देकर किए सम्मानित

- एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर में आयोजित किया कार्यक्रम
- मेधावियों को 21-21 हजार रुपये का चेक किया प्रदान

एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में बैंक बड़ौदा द्वारा दिए गए 21-21 हजार रुपए के चेक के साथ मेधावी छात्र दाएं से निधि जोशी, रितेश कुमार, रोहित नेगी • जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर में आयोजित हुए कार्यक्रम में संस्थान के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। बैंक आफ बड़ौदा की ओर से आयोजित इस समारोह में एनआइटी संस्थान की निधि जोशी को बेस्ट इन एकेडमिक्स, रितेश कुमार को बेस्ट इन स्पोर्ट्स, रोहित नेगी को बेस्ट आलराउंडर अवार्ड से सम्मानित किया गया। बैंक आफ बड़ौदा की ओर से बैंक प्रबन्धक नेहा शाह द्वारा इन मेधावियों को 21-21 हजार रुपये का चेक भी प्रदान किया गया। एमएनआइटी जयपुर में हुए मालवीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में एनआइटी श्रीनगर के टेबिल टेनिस विजेता टीम के साथ ही पावर लिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतने वाले छात्र अमित कुमार को भी एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने सम्मानित किया। बैंक आफ बड़ौदा की वरिष्ठ प्रबंधक नेहा शाह ने कहा कि मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने को लेकर बैंक हर संभव सहयोग भी करेगा। इस अवसर पर एनआइटी के पालीटेक्निक परिसर में छात्रों की सुविधा के लिए बनाए गए ओपन जिम और टेबिल टेनिस से संबंधित उपकरणों का भी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी की ओर से उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर ही तैयार करना नहीं वरन बहुआयामी व्यक्तित्व से परिपूर्ण सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन तैयार करने को भी संस्थान कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि एनआइटी श्रीनगर में खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने को लेकर 15 लाख रुपये खर्च किए हैं। एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि प्रो. अवस्थी का दृष्टिकोण छात्र केंद्रित होने से छात्रों को बहुत सुविधा मिल रही है। आने वाली गर्मियों के मौसम को देखते हुए छात्रों की सुविधा के लिए संस्थान ने 300 सीलिंग फैन की खरीददारी भी की है। डा. कुलदीप सिंह, डा. राकेश मिश्रा के अलावा अन्य फैकल्टी सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के श्रीनगर परिसर में शिक्षा खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर में शिक्षा खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। एक चित्रकार के लिए सब कुछ और कुछ भी एक कैनवास हो सकता है, एक कलाकार के लिए सब कुछ और कुछ भी एक रंगमच हो सकता है, किसी साहित्यकार के लिए सब कुछ और कुछ भी एक साहित्य हो सकता है परन्तु एक बहुआयामी व्यक्तित्व किसी भी अभिरुचि और किसी भी स्थिति के प्रति संदर्भित रह सकता है। यह बात प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, माननीय निदेशक एन आई टी, उत्तराखंड ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा, एचीवर्स अवार्ड समारोह के दौरान कही।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उत्तराखंड के श्रीनगर परिसर स्थित सभागार में शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करने के लिए पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी मुख्य अतिथि और बैंक ऑफ़ बड़ोदा, श्रीनगर की शाखा प्रबंधक नेहा शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस समारोह

में %बेस्ट इन एकेडेमिक्स , %बेस्ट इन स्पोर्ट्स% और %बेस्ट ऑलराउंडर% अवार्ड के लिए क्रमशः निधि जोशी, रितेश कुमार एवं रोहित सिंह नेगी को बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शाखा प्रबंधक नेहा शाह की तरफ से इकत्तीस हज़ार रूपये का चेक प्रदान किया गया।

इसी मौके पर प्रोफेसर अवस्थी ने एम एन आई टी, जयपुर में आयोजित मालवीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में टेबल टेनिस में विजेता रही एनआईटी, उत्तराखंड के छात्राओं एवं उपविजेता छात्रों की टीम को सम्मानित किया। इसके अलावा पॉवरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतने वाले छात्र श्री अमित कुमार को पदक देकर सम्मानित किया। पुरुस्कार वितरण समारोह के बाद प्रोफेसर अवस्थी ने पॉलिटेक्निक परिसर में छात्रों की सुविधा के लिए बनाये गए ओपन जिम, इंडोर कबड्डी के लिए मैट और टेबल टेनिस उपकरणों का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा इस संस्था को दिया गया जनादेश न केवल सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर तैयार करना बल्कि बहुआयामी ज्ञान और कौशल के साथ-साथ बहुआयामी व्यक्तित्व से परिपूर्ण सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन तैयार करना है। इसके लिए संस्थान द्वारा खेल सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि उनका मानना है कि खेल केवल शारीरिक और क्रियात्मक कौशलों के विकास का ही माध्यम नहीं है अपितु यह संज्ञानात्मक और भावात्मक विकास के साथ कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता जैसे गुणों को भी विकसित और पोषित करने में सहायक है। इसलिए, छात्रों के लिए खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए विभिन्न सुविधाओं पर लगभग 15 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा की संस्थान का उद्देश्य छात्रों के जीवन को सफल के साथ सार्थक बनाना भी है। इसके लिए संस्थान द्वारा तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप छात्रों के लिए फायदेमंद कई पहलुओं को लागू कर चुका है। साथ ही छात्रों को उद्योग जगत के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए छात्रों को सॉफ्ट स्किल और उससे संबंधित अन्य कौशल में प्रशिक्षित करने और उद्योग एवं इंटर्नशिप को अधिक लचीला बनाये जाने की दिशा में कार्य कर रहा है ।

प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने प्रोफेसर अवस्थी की सराहना करते हुए कहा की निदेशक महोदय का दृष्टिकोण छात्र केंद्रित है। उनके दिशानिर्देशन में आने वाली गर्मियों को देखते हुए छात्रों की सुविधा के लिए 300 सीलिंग फैन की खरीदारी की गयी है इसके अलावा होस्टल्स का निर्माण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं हेतु खरीद की प्रक्रिया चल रही है।

इस अवसर पर डॉ कुलदीप सिंह(सासी) , डॉ राकेश मिश्रा (एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर) के अलावा संस्थान के अन्य संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे।

एनआईटी के द्वितीय चरण का निर्माण कार्य शीघ्र

श्रीनगर। एनआईटी श्रीनगर परिसर में बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए रेशम फार्म में द्वितीय चरण का निर्माण कार्य शुरू करने जा रहा है। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि यह निर्माण पूर्ण रूप से उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के तहत किया जा रहा है।

कक्षाएं और प्रयोगशाला भवन बनेंगे तीन मंजिला

- 32 करोड़ 94 लाख से शुरू होगा एनआइटी विस्तार का दूसरा चरण
- एमएचआरडी, केनरा बैंक और केंद्र सरकार का संयुक्त उद्यम है हेफा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के श्रीनगर परिसर के विस्तार के दूसरे चरण के निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने जा रहे हैं। पुराने रेशम फार्म की भूमि पर 32 करोड़, 94 लाख 19 हजार 900 रुपए की राशि से यह निर्माण कार्य होंगे। जिसमें कक्षाएं और प्रयोगशाला के भवन तीन-तीन मंजिल के और अन्य भवन दो मंजिले होंगे। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि उच्च शिक्षण वित्त पोषण एजेंसी (हेफा) से प्रदान की जा रही वित्तीय सहायता से यह द्वितीय चरण के निर्माण कार्य होंगे। एमएचआरडी, केनरा बैंक और भारत सरकार का हेफा एक संयुक्त उद्यम भी है।

एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि एनआइटी के सुमाड़ी परिसर और श्रीनगर परिसर में आधारभूत बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए हेफा द्वारा 2018 में 650 करोड़ 97 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे। लेकिन कतिपय कारणों से इस राशि से अभी तक कुछ भी धन का उपयोग नहीं हो पाया था। जबकि हेफा के साथ हुए समझौते की शर्तों के अनुसार अनुमोदित राशि में से एक निर्धारित राशि को संस्थान द्वारा निर्माण कार्यों के लिए उपयोग में लाना आवश्यक भी था अन्यथा समझौते की वैद्यता बीते वित्तीय वर्ष के अंत में समाप्त भी हो जाती। इसी को ध्यान में रख एनआइटी श्रीनगर के योजना एवं विकास अनुभाग के अधिकारियों के अथक प्रयास से कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व निविदा प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया गया था। प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सुविधायुक्त कक्षाएं और आंतरिक डिजाइन का छात्र के सीखने पर अनुकूल प्रभाव भी पड़ता है। उच्च गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा छात्र के प्रदर्शन में सुधार लाने में भी सहायक होता है। कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि द्वितीय चरण के निर्माण कार्य के लिए हेफा ने 10 करोड़ 39 लाख रुपये की प्रथम किश्त अवमुक्त भी कर दी है। एनआइटी के अधिष्ठाता योजना एवं विकास अनुभाग के डा. गुरिंदर सिंह बरार ने कहा कि रेशम फार्म में निर्मित होने वाली कक्षाएं और प्रयोगशाला भवन तीन-तीन मंजिल के बनेंगे।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

एनआईटी में जल्द शुरू होंगे द्वितीय चरण के कार्य

संवाद न्यूज एजेंसी

कार्यदायी संस्था सीपीडब्ल्यूडी को जारी हुई 32.94 करोड़ की धनराशि

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के अस्थायी परिसर श्रीनगर में व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए जल्द ही द्वितीय चरण के कार्य शुरू हो जाएंगे। संस्थान प्रशासन ने द्वितीय चरण के कार्यों के लिए कार्यदायी संस्था सीपीडब्ल्यूडी को 32 करोड़ 94 लाख की धनराशि जारी कर दी है।

संस्थान के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने बताया कि एनआईटी के स्थायी परिसर सुमाड़ी में निर्माण कार्य के लिए निविदा हो चुकी है। एक उच्च स्तरीय कमेटी निविदा की जांच कर रही है। बताया कि एनआईटी के रेशम फार्म परिसर में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए जल्द ही द्वितीय चरण के कार्य शुरू हो जाएंगे। निर्माण उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के तहत किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था को तीन साल के रख रखाव की जिम्मेदारी के साथ निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने कहा कि हेफा फंडिंग के तहत एनआईटी को 2018 में श्रीनगर परिसर और सुमाड़ी परिसर में आधारभूत बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए 650 करोड़ 97 लाख की धनराशि अनुमोदित की गई थी लेकिन किन्हीं कारणों से इस राशि का अभी तक उपयोग नहीं हो पाया था, जबकि हेफा के साथ समझौते की शर्तों के अनुरूप संस्थान को अनुमोदित राशि में से एक निर्धारित राशि को निर्माण कार्यों के लिए उपयोग करना आवश्यक था। प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पहले चरण में 10.29 करोड़ की राशि अवमुक्त कर दी है। अधिष्ठाता योजना एवं विकास अनुभाग डॉ. गुरिंदर सिंह बरार ने कहा कक्षाएं और प्रयोगशालाएं भवन तीन मंजिला और अन्य भवन दो मंजिला हों।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के श्रीनगर रेशम फार्म परिसर में द्वितीय चरण का निर्माण कार्य शीघ्र होगा शुरू

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। एनआईटी के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने परिसर विस्तार के बारे में कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में कक्षा और आंतरिक डिजाइन का छात्र के सीखने पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। इस बात के पुख्ता प्रमाण है कि उच्च-गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा छात्रों के प्रदर्शन में सुधार के साथ ड्रॉपआउट दर को भी कम करता है। इसीलिए रेशम फार्म में शैक्षणिक ब्लॉक, कक्षाएं और प्रयोगशालाएं, मनोरंजन ब्लॉक, प्रशासनिक भवन मुख्य द्वार और इलेक्ट्रिक रूम के निर्माण का प्रावधान किया है ताकि छात्रों को बेहतर सुविधा प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह निर्माण पूर्ण रूप से उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) द्वारा प्रदान की गयी वित्तीय सहायता के तहत किया जा रहा है और तीन साल के रख रखाव की जिम्मेदारी के साथ इस पूरे निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार द्वारा बत्तीस करोड़ चौरानवे लाख उनतीस हजार नौ सौ उनतालीस रुपये की निविदा राशि कोट की गई है। प्रोफेसर अवस्थी ने एचईएफए फंडिंग के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि एचईएफए एमएचआरडी, भारत सरकार और केनरा बैंक का एक संयुक्त उद्यम है, इसकी परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2016-17 में की थी। इस फंडिंग का उद्देश्य भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को आत्मनिर्भर बनाने और पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए वित्तीय पोषण प्रदान करना है ताकि उन्हें अनुसंधान एवं विकास सहित विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए वित्त पोषण करके वैश्विक रैंकिंग में उत्कृष्टता प्राप्त करने और शीर्ष पर पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हेफा फंडिंग के तहत एन आई टी, उत्तरखंड को वर्ष 2018 में श्रीनगर परिसर और सुमाड़ी परिसर में आधारभूत बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए लगभग 650 करोड़ सत्तानवे लाख रूपये अनुमोदित किये गए थे परन्तु कतिपय कारणों से इस राशि से अभी तक एक भी रूपये का उपयोग नहीं हो पाया था जबकि हेफा के साथ समझौते की शर्तो के अनुरूप संस्थान को अनुमोदित राशि में से एक निर्धारित राशि को निर्माण कार्यो के लिए उपयोग करना आवश्यक था अन्यथा समझौते की वैधता वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत में समाप्त हो जाती। इसीलिए संस्थान के योजना एवं विकास अनुभाग के अधिकारियो ने अथक प्रयास किया और कार्यदायी संस्था के अधिकारियो के साथ मिलकर वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व निविदा प्रक्रिया को अंतिम रूप देते हुए परिसर विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया साथ ही हेफा समझौते को भी रद्द होने से बचाया। प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने जानकरी दी कि निर्माण कार्य हेतु हेफा ने पहले चरण के अंतर्गत लगभग दस करोड़ उन्तालीस लाख रूपये की राशि अवमुक्त कर दिया है। डॉ गुरिंदर सिंह बरार, अधिष्ठाता योजना एवं विकास अनुभाग, ने बताया कि रेशम फार्म में निर्मित होने वाली कक्षाएं और प्रयोगशालाएं तीन मंजिला और अन्य इमारतें दो मंजिला होंगी।

विकास में आने वाली चुनौतियों पर की चर्चा

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में चुनौती पर विजय और लक्ष्य पूर्ति विषय संकाय विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तराखंड के विकास में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई।

एनआईटी के संकाय विकास विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और मुख्य वक्ता कवैलियंस इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष नरिंदर अहलुवालिया ने किया।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान में सबसे महत्वपूर्ण संसाधन उसके संकाय सदस्य होते हैं जो छात्रों को ज्ञान और कौशल सिखाते हैं। कार्यक्रम में प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, छात्र अधिष्ठाता कल्याण डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डॉ. जीएस बरार, डॉ. सनत अग्रवाल मौजूद रहे। संवाद

किसी संस्थान के सबसे अहम संसाधन होते हैं संकाय सदस्य

श्रीनगर/एसएनबी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में ओवरकम चैलेंजेज एंड अकंपलिश गोल्स फ्रॉम ए स्ट्रेंथ पर्सपेक्टिव विषय पर दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा उच्च तकनीकी शिक्षा के किसी भी संस्थान के पास सबसे महत्वपूर्ण संसाधन उसके संकाय सदस्य होते है जो छात्रों को ज्ञान और कौशल सिखाते है और संकाय सदस्यो द्वारा शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए जोड़ा गया मूल्य, शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता की कुंजी है।

इस मौके पर मुख्य वक्ता कवैलियन्स, इंडिया के एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसीडेंट अहलुवालिया अपने व्याख्यान में संख्या सदस्यों के साथ सामर्थ्य परिप्रेक्ष्य पर चर्चा करते हुए कहा कि यह एक दृष्टिकोण है जो वास्तविक रूप से स्थितियों को देखता है और समस्या या चिंता पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय विपरीत मौजूदा शक्तियों और क्षमताओं को पूरक और समर्थन करने के अवसरों की तलाश करता है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के अंदर एक विलक्षण प्रतिभा होती है, आवश्यकता है उसे पहचानने की और पुरे शिद्दत और जूनून के साथ उस पर काम करना की। इस मौके पर एनआईटी के प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन फैकल्टी वेलफेयर डा. हरिहरन मुथुसामी, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डा. जीएस बरार, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी डा. सनत अग्रवाल आदि मौजूद थे।

एनआईटी खेल मैदान में एक सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में डा. भीम राव आंबेडकर की जयंती बडे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर संस्थान के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के बीच रेशम फार्म के निकट स्थित एनआईटी खेल मैदान में एक सद्भावना क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओ की ऊर्जा को सही दिशा में उपयोग करने और उनके अंदर सामूहिक भावना को आत्मसात करने में मदद करती है। साथ-साथ ये युवा पीढ़ी को समाज कि मुख्यधारा में बने रहने में मदद करती है। प्रो. अवस्थी ने बाबासाहब के वाक्य किसी भी समाज का उत्थान उस समाज में शिक्षा की प्रगति पर निर्भर करता है को उद्धत करते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपनी क्षमता और सामर्थ्य का सर्वोत्तम तरीके से उपयोग करते हुए सफलता के नए मानक स्थापित कर सकता है, और इसका सबसे अच्छा उदाहरण उन्होंने ने कहा कि बाबासाहब का जीवन है। शिक्षा के कारण ही उन्होंने न केवल तत्कालीन समाज की रूढ़िवादी बाधाओं को पार किया बल्कि आगे चलकर उन्हे भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न, से भी सम्मानित किया गया। प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अम्बेडकर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति बताया और समाज के शोषित वर्गों के लिए किये गए कार्यो के लिए उनकी सराहना की। मौके पर संस्थान के अन्य छात्र , कर्मचारी और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हुआ सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन

दैनिक सरल एक्सप्रेस

गबर सिंह भण्डारी

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में डॉ०भीमराव अंबेडकर की जयंती को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर संस्थान के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के बीच रेशम फार्म के निकट स्थित एनआईटी प्ले ग्राउंड में एक सद्भावना क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया जिसका उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने किया।

उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर अवस्थी ने सभी खिलाड़ियों और दर्शकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल गतिविधियां युवाओ की ऊर्जा को सही दिशा में उपयोग करने और उनके अंदर सामूहिक भावना को आत्मसात करने में मदद करती है। साथ साथ ये युवा पीढ़ी को समाज कि मुख्यधारा में बने रहने में

मदद करती है। इस दौरान प्रोफेसर अवस्थी ने डॉ भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और सभी को उनके जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी और डॉ आंबेडकर के जीवन चरित्र, भारतीय संविधान के निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक समानता के लिए उनके द्वारा किये गए कार्यों से भी लोगो को अवगत कराया।

प्रोफेसर अवस्थी ने बाबासाहब के वाक्य किसी भी समाज का उत्थान उस समाज में शिक्षा की प्रगति पर निर्भर करता है को उद्धत करते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपनी क्षमता और सामर्थ्य का सर्वोत्तम तरीके से उपयोग करते हुए सफलता के नए मानक स्थापित कर सकता है, और इसका सबसे अच्छा उदाहरण उन्होंने ने कहा कि बाबासाहब का जीवन है। शिक्षा के कारण ही उन्होंने न केवल तत्कालीन समाज की रूढ़िवादी बाधाओं को पार किया बल्कि आगे चलकर उन्हे भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न, से भी सम्मानित किया गया। प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अम्बेडकर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति बताया और समाज के शोषित वर्गों के लिए किये गए कार्यो के लिए उनकी सराहना की।

मौके पर संस्थान के अन्य छात्र, कर्मचारी और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

कुछ अलग करने की क्षमता है रचनात्मकता

एनआईटी में विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस पर हुआ व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस (वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे) के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कहा गया कि कुछ नया या अनोखा करने की क्षमता ही रचनात्मकता है। इस मौके पर संस्थान के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि रचनात्मकता की कोई एक सार्वभौमिक परिभाषा नहीं दी जा सकती है। सामान्य शब्दों में कुछ अलग, कुछ नया और कुछ अनोखा करने की क्षमता रचनात्मकता कही जा सकती।

संस्थान के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संकाय सदस्य सम्मानित

कहा कि पहिये के आविष्कार से लेकर वर्तमान ऑटोमोबाइल तक की प्रगति के सफर में प्रौद्योगिकी में सूक्ष्म रचनात्मकता देखी जा सकती है।

विशिष्ट अतिथि जीएलए यूनिवर्सिटी मथुरा के वाइस चांसलर प्रो. डीएस चौहान ने छात्रों और संकाय सदस्यों से कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, तकनीकी और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करने के लिए नए विचारों के साथ आगे आने का आग्रह किया।

इस मौके पर डॉ. सनत अग्रवाल, डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डॉ. पवन कुमार राकेश, डॉ. मानवेंद्र सिंह खत्री, डॉ. सरोज रंजन डे, डॉ. आईएम नागपुरे, डॉ. प्रकाश द्विवेदी, डॉ. सौरव बोस, डॉ. हरदीप, डॉ. रामपाल पांडेय , डॉ. नितिन कुमार, डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. पंकज कुमार पाल, डॉ. तुषार गोयल, डॉ. स्मिता कालोनी, डॉ. विकास कुकशाल, डॉ. शशांक भात्रा को रिसर्च एवं परियोजना के माध्यम से संस्थान के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी ने अपने-अपने विचार भी व्यक्त किए। इस तरह के आयोजन करने की सलाह दी गई।

छात्रों के मार्गदर्शन के लिए शुरू हुई कार्यशाला

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन एवं कला कौशल के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू की गई है जिसका उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी व आईआईटी कानपुर के प्रो. टी रविचंद्रन ने किया।

कार्यशाला में प्रो. अवस्थी ने बताया कि आगामी प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेने के लिए तीसरे वर्ष के छात्रों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। कार्यशाला में टीम स्किल्स, पर्सनलिटी असेसमेंट, जॉब प्रोफाइल मैपिंग, पावर सीवी डिजाइनिंग, ऑफ कैंपस जॉब सर्च जैसी विभिन्न गतिविधियों को कवर किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रो. टी रविचंद्रन ने भारतीय युवाओं के साक्षात्कार कौशल और जनसंख्या में हो रही वृद्धि की जानकारी दी। संवाद

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर ने प्लेसमेंट ड्राइव और कैरियर परामर्श पर कार्यशाला आयोजित की

गब्बर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड के निदेशक प्रो ललित कुमार अवस्थी ने केवल प्लेसमेंट ड्राइव पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं बल्कि कैरियर परामर्श और पूर्व प्लेसमेंट गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि छात्र उच्चतम पैकेज वाली शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियां के साक्षात्कार को क्रैक करने में सक्षम हो सकें। उनके मार्गदर्शन में छात्रों को एक बेहतर और सुरक्षित कैरियर विकल्प बनाने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से संस्थान में वर्ष भर विभिन्न कार्यशालाओं, विशेषज्ञ वार्ता और सूचनात्मक वेबिनार, कौशल-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के माध्यम से छात्रों को कैरीअर में मौजूदा रुझानों के बारे में अपडेट किया जाता है। इसी श्रंखला में संस्थान के कैरीअर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा 'कैरीअर कैटेलिस्ट: अ वर्कशॉप ऑन इग्नाइटिंग प्रोफेशनल जर्नी' शीर्षक पर एक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 21 अप्रैल को आयोजित किया

गया जिसमे प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, और प्रोफेसर टी रविचंद्रन ,आईआईटी कानपुर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि कैरीअर मार्गदर्शन छात्रों को न केवल कैरीअर विकल्पों को पहचान करने अपितु एक वांछित कैरीअर चुनने के लिए उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कार्यशाला से आगामी प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेने के लिए तीसरे वर्ष के छात्रों को कार्यशाला का लाभ मिलेगा। उन्होंने सूचित किया की इस कार्यशाला में टीम स्किल्स, पर्सनैलिटी असेसमेंट, जॉब प्रोफाइल मैपिंग, पावर सीवी डिजाइनिंग, ऑफ कैंपस जॉब सर्च जैसी विभिन्न गतिविधियों को कवर किया जाएगा। इसके अलावा कॉरपोरेट बॉडी लैंग्वेज, ग्रुप डिस्कशन, जनरल अवेयरनेस सेशन, पर्सनैलिटी इम्पैक्ट आदि विषयों पर भी चर्चा की जायेगी। प्रो अवस्थी ने अपने सम्बोधन में कैरियर निर्माण के माध्यम से समाज, देश और संस्थान के प्रति व्यक्ति के जीवन और योगदान के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के महत्व पर भी जोर दिया ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने छात्रों, पूर्व छात्रों और प्रमुख उद्योगों के बीच गहरे कॉर्पोरेट जगत में नेटवर्क निर्माण के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने कहा की संचार हर नेटवर्क और समय की जरूरत का आधार है।

माननीय निदेशक के साथ, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रो. टी. रविचंद्रन ने भी श्रोताओं को संबोधित करने के लिए अपने मूल्यवान शब्द प्रदान किए, और उन्हें इस प्रकार की कार्यशाला में अपनी पूरी क्षमता और लगन के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भारतीय युवाओं के साक्षात्कार कौशल और जनसांख्यकी के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया, जो दशकों तक चलेगा। उन्होंने अनुभवी पेशेवरों, शिक्षाविदों और युवा छात्रों के बीच ज्ञान साझा करने के महत्व को भी समझाया और कहा की ये सारी चीजे करियर निर्माण में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है ।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे के अवसर पर कार्यक्रम में क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन शीर्षक पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन डे के अवसर पर एक कार्यक्रम में क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन शीर्षक पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया और संस्थान के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के प्रशासनिक भवन स्थित कांफ्रेंस रूम में किया गया जिसमे प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, माननीय निदेशक एनआईटी, उत्तराखंड, मुख्य अतिथि तथा यूटीयू, उत्तराखंड; एकेटीयू, उत्तरप्रदेश; और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति एवं वर्तमान में जीएलए, यूनिवर्सिटी मथुरा के प्रो वाईस चांसलर, प्रोफेसर डी एस चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा रचनात्मकता की कोई एक सार्वभौमिक परिभाषा नहीं दी जा सकती है। इसका मतलब विशिष्ट सामाजिक और सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान की मानवीय क्षमता से लेकर स्थायी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसका योगदान,

कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा सामान्य शब्दों में कुछ अलग, कुछ नया और कुछ अनोखा करने की क्षमता रचनात्मकता कही जा सकती। परन्तु मेरे विचार में जो कुछ नया ,अलग और अनोखा है वह रचनात्मक तभी कहलायेगा जब उसकी उपयोगिता हो।

मानव समाज में रचनात्मकता और नवप्रवर्तन के महत्व का जिक्र करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि पहिये के आविष्कार से लेकर वर्तमान ऑटोमोबाइल तक की प्रगति के सफर में प्रौद्योगिकी में सूक्ष्म रचनात्मकता और नवप्रवर्तनों की चरणबद्ध श्रंखला को आसानी से देखा जा सकता है। श्रोताओ को प्रेरित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि हर किसी में कुछ न कुछ रचनात्मकता होती है। यद्यपि इनकी क्षमता और प्रकृति भिन्न हो सकती है, फिर भी इनका पोषण प्रशिक्षण के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने संस्थान के समस्त छात्रों और संकाय सदस्यों का आह्वाहन किया कि वे सभी लोग अपनी रचनात्मक और नवाचार की क्षमता का उपयोग सर्वप्रथम क्षेत्रीय और उत्तराखंड राज्य की विशिष्ट समस्याओ का तकनीकी समाधान ढूढने तत्पश्चात राष्ट्रीय समस्याओ पर ध्यान केंद्रित करे।

प्रोफेसर डी एस चौहान ने भी श्रोताओ को संबोधित करने के लिए अपने मूल्यवान शब्द प्रदान किए, उन्होंने कहा रचनात्मकता मानव जीवन के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक या अन्य किसी भी क्षेत्र में समान रूप से देखी जा सकती है। उन्होंने अपने व्याख्यान में एनआईटी जैसे तकनीकी संस्थानों में पेटेंट के महत्व और उद्योग की मांग के अनुसार उनकी आवश्यकता पर चर्चा की। वैश्विक जनसांख्यकीय असंतुलन के बारे में बात करते हुए प्रोफेसर चौहान अपने देश में नवाचारों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक अर्थव्यवस्था में दृढ़ता और सामरिक आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा की हमें अन्य देशों से प्रौद्योगिकी उधार नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने सभी यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों और संकाय सदस्यों से कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, तकनीकी और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करने के लिए नवीन विचारों के साथ आगे आने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के अंत में माननीय निदेशक ने डॉ सनत अग्रवाल , डॉ हरिहरन मुथुसामी, डॉ पवन कुमार राकेश , डॉ मानवेन्द्र सिंह खत्री, डॉ सरोज रंजन है, डॉ आई एम नागपुरे, डॉ प्रकाश द्विवेदी, डॉ सौरव बोस, डॉ हरदीप, डॉ रामपाल पांडेय, डॉ नितिन कुमार, डॉ नीरज कुमार मिश्रा, डॉ पंकज कुमार पाल, डॉ तुषार गोयल , डॉ स्मिता कालोनी, डॉ विकास कुकशाल, डॉ शशांक भात्रा को रिसर्च एवं परियोजना के माध्यम से संस्थान के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

समस्याओं के समाधान से शोध को दें बढ़ावा

एनआइटी की फैकल्टियां नवाचार को लेकर वर्ष में कम से कम एक पेटेंट करवाएं : प्रो. ललित अवस्थी

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) विश्व बौद्धिक संपदा दिवस को लेकर आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान माला का आयोजन किया गया, जिसमें पहाड़ की समस्याओं से संबंधित शोध कार्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। बौद्धिक संपदा के महत्व और संरक्षण के साथ ही पेटेंट, कापीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन जैसे क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं की जागरूकता बढ़ाने को लेकर आयोजित इस आनलाइन व्याख्यान माला का शुभारंभ एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और आइआइटी कानपुर के रवि पांडे, एनआइटी जालंधर के डा. कुलदीप सिंह नगला ने किया।

मुख्य अतिथि एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता आज अपने शिखर पर है। आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए एनआइटी के छात्रों को विशेष पहल करनी होगी। उन्होंने कहा कि मानव-वन्य जीव संघर्ष, भू-धंसाव, भूस्खलन, वनों में लगने वाली आग, पलायन जैसे पहाड़ के मुद्दों को हल करने के लिए भी एनआइटी के छात्रों को अपने शोध कार्यों के माध्यम से समाधान लेकर आगे आना चाहिए। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने नए शोध और नवाचारों को लेकर पेटेंट फाइल करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि एनआइटी श्रीनगर के सभी फैकल्टियों को इस वर्ष कम से कम एक पेटेंट अवश्य दाखिल करना चाहिए। बौद्धिक संपदा संरक्षण को लेकर संस्थान में नीति बनाई जा रही है, जिसमें छात्रों और फैकल्टियों की ओर से पेटेंट दाखिल करने को लेकर वित्तीय सहायता देने का प्रावधान भी है। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता, नवप्रवर्तन और नए अनुसंधान के क्षेत्र में विशेष कार्य करने, उनके पेटेंट पर काम करने को प्राथमिकता देनी है। इससे एनआइटी को तत्काल बढ़त और दृश्यता भी मिलेगी।

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर मे विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर आयोजित विशेष व्याख्यान माला को आनलाइन संबोधित करते निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी • जागरण

आइआइटी कानपुर के रवि पांडे ने शैक्षिक संस्थान में आइपीआर प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। पेटेंट, कापीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए रवि पांडे ने नए आविष्कारों के तकनीकी विकास और उनके बौद्धिक संरक्षण में लगने वाले समय को भी समझाया। एनआइटी जालंधर के डा. कुलदीप सिंह नगला ने बौद्धिक संपदा अधिकार : महत्व और वर्गीकरण पर व्याख्यान दिया। डा. नगला ने बौद्धिक संपदा का आम जीवन में उसके व्यावहारिक महत्व के बारे में भी बताया। इस अवसर पर फैकल्टियों और छात्रों के साथ बौद्धिक संपदा संरक्षण को लेकर परिचर्चा भी हुई।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

'उत्तराखंड की समस्याओं पर छात्र और शिक्षक करें शोध'

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक प्रो. एलके अवस्थी ने किया। इस मौके पर उन्होंने आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए संस्थान के छात्रों से नए आविष्कारों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

आईआईटी कानपुर के सिडबी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के रवि पांडेय ने पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन की जानकारी दी। एनआईटी जालंधर में आईपीआर के समन्वयक डॉ. कुलदीप सिंह नगला ने बौद्धिक संपदा संरक्षण के महत्व और आम जीवन में इसकी व्यवहारिकता व व्यावसायिक महत्व से अवगत कराया। संवाद

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में उत्तराखंड बौद्धिक संपदा दिवस पर आईपीआर सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान

हरिद्वार /चमोली (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाने के लिए संस्थान के आईपीआर सेल द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया ताकि संस्थान के छात्रों एवं संकाय सदस्यों के बीच बौद्धिक सम्पदा के महत्व और संरक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे कि पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन आदि के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

ऑनलाइन माध्यम में आयोजित किये गए इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में संस्थान के माननीय निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी बतौर मुख्य अतिथि और श्री रवि पांडेय , रिसर्च इस्टैब्लिशमेंट अफसर, सिडबी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर, आईआईटी कानपुर एवं डॉ. कुलदीप सिंह नगला, एसोसिएट प्रोफेसर और समन्वयक, आईपीआर सेल, एनआईटी जालंधर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान, श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा नवाचार और रचनात्मकता आज अपने शिखर पर है। एनआईटी, आईआईटी जैसे उच्च तकनीकी संस्थानों में रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने और छात्रों को नवप्रवर्तक, आउट-ऑफ-द-बॉक्स विचारक और रचनात्मक समस्या समाधानकर्ता के रूप में तैयार करने के लिए संकाय सदस्यों द्वारा ठोस प्रयास करने की जरूरत है। आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए संस्थान के युवा छात्रों से नए आविष्कारों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि अब समय आ गया है कि वे मानव - वन्य जीव संघर्ष, भू-धसाव, भूस्खलन, वनाग्नि, पलायन जैसे उत्तराखंड राज्य से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए लोगों के अनुकूल नवाचार और रचनात्मक समाधान लेकर आएं और उसका पेटेंट फाइल करें। उन्होंने कहा कि यह न केवल राष्ट्र के विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार के प्रयासों का पूरक होगा बल्कि संस्थान की रैंकिंग में उछाल और अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने में भी सहायक होगा। एनआईटी उत्तराखंड के सन्दर्भ में बात करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा की यह एक नवोदित संस्थान है और समुचित एवं पर्याप्त बुनियादी ढाँचे के अभाव में अभी इसके विस्तार की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। ऐसी स्थिति में हमें छात्रों के साथ-साथ रचनात्मकता, नवप्रवर्तन, नए अनुसन्धान और उनके पेटेंट पर काम करने की आवश्यकता है क्योंकि इससे संस्थान को तत्काल बढ़त और दृश्यता मिल सकती है। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों द्वारा इस वर्ष कम से कम एक पेटेंट दाखिल करने का आह्वान करते हुए कहा कि संस्थान में बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के लिए नीति निर्धारण किया जा रहा है जिसमे छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा पेटेंट दाखिल के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान रखा गया है। अपने वक्तव्य के समापन में प्रोफेसर अवस्थी ने आई पी आर सेल के समन्वयक डॉ पंकज कुमार पाल की सराहना की और मुख्य वक्ता रवि पांडेय और डॉ कुलदीप सिंह नगला जी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री रवि पांडेय जी ने "शैक्षिक संस्थानों में आईपीआर प्रबंधन" शीर्षक पर अपना व्याख्यान देते हुए पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किये। जीन थेरेपी और नेत्रहीन लोगो के लिए चश्मे निर्माण का उदाहरण देते हुए उन्होंने श्रोताओं को नए आविष्कारों के तकनीकी विकास एवं उनके बौद्धिक संरक्षण में लगने वाले समय को समझाया साथ ही राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया। डॉ कुलदीप सिंह नगला जी ने बौद्धिक संपदा अधिकार: महत्व और वर्गीकरण शीर्षक पर अपना व्याख्यान देते हुए श्रोताओं को बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के महत्व और प्रकार की जानकारी दी साथ ही साथ आम जीवन में इसकी व्यवहारिकता और व्यावसायिक महत्व से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का अंत में परिचर्चा की गयी जिसमे संकाय सदस्यों और छात्रों की बौद्धिक सम्पदा संरक्षण से जुड़े प्रश्नों और भिन्न प्रकार की शंकाओं को विशेषज्ञों द्वारा समुचित रूप से सम्बोधित किया गया।

एनआईटी के छात्रों को नए अविष्कारों के प्रति किया प्रेरित

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्थान के आईपीआर सेल की ओर से आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञों ने छात्रों एवं संकाय सदस्यों को बौद्धिक सम्पदा के महत्व और संरक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे कि पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन आदि के बारे में जागरूक किया।

कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता आज अपने शिखर पर है,' एनआईटी, आईआईटी जैसे उच्च तकनीकी संस्थानों में रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने और छात्रों को नवप्रवर्तक, आउट-ऑफ-द-बॉक्स विचारक और रचनात्मक समस्या समाधानकर्ता के रूप में तैयार करने के लिए संकाय सदस्यों द्वारा ठोस प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने संस्थान के युवा छात्रों से नए आविष्कारों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि वे मानव-वन्य जीव संघर्ष, भू-धंसाव, भूस्खलन से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए लोगों के अनुकूल नवाचार और रचनात्मक समाधान लेकर आएं।